हिन्दी एम फिल

स्कूल आफ़ लेटर्स (2018-20)

- **आवेदन का तरीका: आनलाइन वेबसाइट के जरिए।**
- **अवधि: दो साल (4 सेमेस्टर).**
- **क्रेडिट : 16 क्रेडिट का कोर्स वर्क. थीसिस पूरा करना और उसका उपाधि हेतु संस्तुत होना आवश्यक है.**
- **शिक्षण का माध्यम: हिन्दी.**
- **उपलब्ध सीटें: 8 सीटें. दिल्ली सरकार के नियमों के अनुसार आरक्षण लागू होगा.**
- **न्यूनतम अर्हता:- किसी मान्यताप्राप्त संस्था से ≥55% or उसके बराबर अंकों के साथ एम ए (≥50% अजा/ अजजा/ विकलांग कोटि के लिए).**
- **प्रवेश का तरीका: सभी अभ्यर्थियों के लिए लिखित परीक्षा और मौखिकी. लिखित परीक्षा में चयनित सभी अभ्यर्थियों के लिए मौखिकी के समय शोध का उद्देश्य (लगभग 250 - 500 शब्द) और शोध प्रस्ताव देना जरूरी है. इसके बिना आवेदन पर विचार करना संभव नहीं होगा. शोध प्रस्ताव में सुसंगत तरीके से (लगभग 700 - 1000 शब्दों में) विषय की प्रकृति (प्रस्तावित शीर्षक के साथ), प्रस्तावित शोध में किए जाने वाले काम, तथा उसके लिए स्रोत सामग्री का वर्णन होगा. इसके साथ ही सहायक सामग्री की सूची भी लगानी होगी (अधिकतम दो पृष्ठ). यदि इसमें केवल ज्ञात तथ्यों का ही वर्णन और अन्य विद्वानों की राय ही शामिल होगी तो उसे गंभीरता से नहीं लिया जाएगा. मौखिकी के समय अभ्यर्थी को अपने प्रस्तावित विषय पर पूछे गए सवालों का उत्तर देना होगा. शोध प्रस्ताव के साथ अभ्यर्थी के हस्ताक्षर के साथ यह लिखा होना चाहिए कि: 'The undersigned declares that this research proposal has not been prepared by another person and is the product of his/her individual work'.**

- **आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया**:

काम	*तिथि*
आवेदन की अंतिम तारीख	08- 07-2018
अर्ह प्रत्याशियों की सूची	By 21-08-2018
लिखित परीक्षा और मौखिकी	27-07-2018 06-08-2018
पाठ्यक्रम का आरम्भ	सितम्बर 2018

- **पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण: एम फिल कार्यक्रम में चार चार क्रेडिट के चार कोर्स का कोर्स वर्क होगा जिसके तहत निम्नांकित कोर्स करने होंगे:**

1. **पहला: हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं**
2. **दूसरा: साहित्य का समाजशास्त्र**
3. **तीसरा: शोध पत्र I- विद्यार्थी के शोध विषय पर केंद्रित विनिबंध. विषय का निर्धारण स्कूल के स्तर पर निर्देशक और शोधार्थी की सहमति से होगा**
4. **चौथा: शोध पत्र II- शोधार्थी के प्रस्तावित विषय को ध्यान में रखते हुए शोध समिति की ओर से निर्धारित विशेष विनिबंध.**

पहला और दूसरा कोर्स नियमित रूप से कक्षा में पढ़ाए जाएंगे. तीसरा और चौथा कोर्स शोधार्थी स्वतंत्र रूप से अपने शोध निर्देशक के सहयोग से पूरा करेगा. शोध का विषय,क्षेत्र और रूपरेखा स्कूल के स्तर पर निर्धारित होंगे. एम फिल के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए इन

चारों कोर्सों को आवश्यक ग्रेड के साथ पूरा करना आवश्यक है. शोध प्रबंध का लेखन कोर्स वर्क के पूरा होने और संशोधित शोध प्रस्ताव के अनुमोदित होने पर शुरू होगा.

शुल्क: कोर्स वर्क के प्रति क्रेडिट के लिए 1570 रुपए या शोध और थीसिस के दौरान प्रति सेमेस्टर रुपए 5950 तथा 500 रुपए प्रति सेमेस्टर विद्यार्थी कल्याण निधि और 5000 रुपए लौटाई जाने वाली सिक्योरिटी ।

अजा/ अजजा/ विकलांग कोटि के लिए कोई ट्यूशन फ़ीस नहीं होगी । अन्य विद्यार्थियों के लिए आर्थिक स्थिति के आधार पर फ़ीस में आंशिक/पूर्ण छूट मिल सकती है ।

- अतिरिक्त सूचना के लिए सम्पर्क करें:

प्रोफ़ेसर सत्यकेतु सांकृत (satyaketu@aud.ac.in) या

प्रोफ़ेसर गोपाल जी प्रधान (gopalji@aud.ac.in)